चीन का माल महंगा होने से भारतीय पंखा उद्योग को राहत

कोलकाता, 22 सितंबर (नि.स.)। चीन से अयातित के पंखों की लागत बढ़ने से भारतीय पंखा उद्योग की बाजार में ताकत बढी है। उद्योक का कहना है कि चीनी माल पहले 35 प्रतिशत सस्ता पड़ रहा था और अब यह अंतर 15-20 प्रतिशत है। इंडियन फैन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के चेयरमैन शेखर बजाज ने आज यहां वार्षिक आम सभा में कहा, " चीन की मुद्रा मजबूत होने की वजह से चीनी उद्योग लागत, वृद्धि की समस्या का सामना कर रहा है। पहले लागत अंतर 35 प्रतिशत था, लेकिन अब यह घटकर 15-20 प्रतिशत रह गया है।"

उन्होंने कहा कि 10 प्रतिशत आयात शुल्क एवं अन्य परिवहन लागत के साथ टेबल पंखों के खंड में चीन से आयातित पंखा पहले 60 प्रतिशत सस्ता पड़ता था अब वह करीब 20 प्रतिशत ही सस्ता पड़ रहा है और उद्योग को आयात में और कमी आने की उम्मीद है। एसोसिएशन ने कहा कि चीनी कंपनियों ने टेबल पंखा खंड में भारत के संगठित पंखा विनिर्माताओं को काफी चोट पहुंचाई है और देश के 4 करोड़ पंखा बाजार में इनकी करीब 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है।